RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जनवरी
11
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), 1967 / Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA), 1967

संदर्भ:

दिल्ली पुलिस ने 2020 में **उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों** के आरोपियों की जमानत याचिकाओं का **दिल्ली उच्च न्यायालय** में विरोध किया। पुलिस ने दलील दी कि यह हिंसा **"सुनियोजित और घातक साजिश"** का परिणाम थी, जिसे **"क्रूर इरादे और निर्मम तीव्रता"** के साथ अंजाम दिया गया।

Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (UAPA):

प्रस्तावना:

- 1967 में लागू, यह कानून **अनुच्छेद 19(1)** के तहत मौलिक स्वतंत्रताओं (स्वतंत्र भाषण, शांतिपूर्ण सभा, और संघ बनाने का अधिकार) पर उचित प्रतिबंध लगाने के लिए बनाया गया।
- वर्षों में, **TADA** और **POTA** जैसे आतंक-विशिष्ट कानूनों को रद्द किए जाने के बाद, UAPA भारत का प्राथमिक **आतंक विरोधी कानून** बन गया।

उद्देश्य और परिभाषा:

- "अवैध गतिविधियों" और "आतंकवादी कार्यों" के लिए **सजा, फंडिंग**, और **समर्थन** पर रोक।
- किसी संगठन को "अवैध संघ" घोषित करने के नियम।
- **अवैध गतिविधि:**
  - ऐसा कार्य, वचन, लेखन, संकेत, या दृश्य प्रस्तुति, जो:
    - भारत के किसी भाग की **अलगाव** या **अलगाव की मांग** का समर्थन करता हो।
    - भारत की **संप्रभुता और अखंडता** को बाधित करता हो।
    - भारत के प्रति असंतोष फैलाने का प्रयास करता हो।

संशोधन और आतंकवाद:

- **2004 संशोधन:**
  - आतंकवादी गतिविधियों को कानून में शामिल किया गया।
  - **34 संगठनों** जैसे लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद पर प्रतिबंध।
- **2019 संशोधन:**
  - गृह मंत्रालय को व्यक्तियों को **आतंकवादी** घोषित करने का अधिकार।

आवेदन क्षेत्र:

- भारत और विदेश में किए गए अपराधों पर लागू।
- भारतीय नागरिक, सरकारी कर्मचारी, और भारत में पंजीकृत जहाजों और विमानों पर भी लागू।

यूएपीए अधिनियम से जुड़ी चिंताएँ

1. सख्त जमानत प्रावधान:

- पुलिस रिपोर्ट के आधार पर अगर आरोप "प्रथम दृष्टया सत्य" लगता है तो जमानत देने से मना किया जाता है।
- यह **निर्दोषता की धारणा** (Presumption of Innocence) के सिद्धांत का उल्लंघन करता है और जमानत प्रक्रिया में आपराधिक मुकदमे के तत्व शामिल करता है।

2. लम्बी हिरासत:

- बिना औपचारिक आरोप पत्र दाखिल किए लंबे समय तक हिरासत की अनुमति दी जाती है।
- यह **अनुच्छेद 21** (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन करता है।

3. परिभाषाओं में अस्पष्टता:

- **"गैर-कानूनी गतिविधि"** और **"आतंकवादी कृत्य"** की व्यापक और अस्पष्ट परिभाषाएँ दुरुपयोग की संभावना बढ़ाती हैं।

4. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता:

- **कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और छात्रों** के खिलाफ इसका इस्तेमाल किया गया है, जिससे असहमति दबाने की चिंता पैदा होती है।
- यह **अनुच्छेद 19** (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) का संभावित उल्लंघन है।

5. अत्यधिक विवेकाधिकार:

- सरकार को व्यक्तियों और संगठनों को नामित करने के लिए **व्यापक विवेकाधिकार** दिया गया है।
- विशेष न्यायालय **गुप्त गवाहों** का उपयोग कर सकते हैं और **बंद कमरे में सुनवाई** कर सकते हैं, जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं।

आगे की राह:

1. न्यायिक निगरानी: दुरुपयोग रोकने के लिए **न्यायिक समीक्षा** के लिए समय-समय पर निगरानी तंत्र स्थापित करना आवश्यक है।

2. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सुरक्षा: कानून का **विरोधी स्वर दबाने** के लिए दुरुपयोग रोकने हेतु दिशानिर्देश लागू किए जाएं।

3. कानूनी सुधार: यूएपीए में संशोधन कर अपराधों की स्पष्ट परिभाषा दी जाए और कठोर जमानत प्रावधानों को नरम बनाया जाए।

हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात में गिरावट / Sex Ratio at Birth Dropped in Haryana

संदर्भ:

2024 में हरियाणा ने जन्म के समय लिंग अनुपात में चिंताजनक गिरावट दर्ज की, जो 1,000 लड़कों पर केवल 910 लड़कियों तक पहुँच गया, जो पिछले आठ वर्षों का सबसे निचला स्तर है। इस आंकड़े ने सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज को चिंतित किया है, जबकि सरकारी अधिकारियों ने इसे मामूली उतार-चढ़ाव बताया है।

- लिंग अनुपात महिलाओं की स्थिति और समाज में लैंगिक समानता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है।
- राष्ट्रीय स्तर पर, भारत में जन्म के समय लिंग अनुपात 2021 में प्रकाशित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (NFHS-5) के अनुसार 929 दर्ज किया गया था।

हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात:

स्थिति:

- **2024 में जन्म के समय लिंगानुपात** 910 रहा, जो 2019 के 923 के मुकाबले 8 साल में सबसे कम है।
- **2024 में जन्मे कुल 5,16,402 बच्चों में**:
  - लड़के: 52.35%
  - लड़कियां: 47.64%

हालिया प्रवृत्तियां:

- **2024 में लिंगानुपात:**
  - कुल 2,70,354 लड़के और 2,46,048 लड़कियां पैदा हुईं, जिससे लिंगानुपात 910 हो गया।
  - **2023 में:** लिंगानुपात 916 था।
  - **2019 में:** यह 923 पर पहुंचा था, जो हाल के वर्षों में सबसे अच्छा था।
- **गिरावट:**
  - 2019 के बाद लिंगानुपात में गिरावट का रुझान चिंता का विषय है।

लिंगानुपात की परिभाषा:

- **जन्म के समय लिंगानुपात:** प्रति 1,000 लड़कों पर जन्मी लड़कियों की संख्या।
- **कुल लिंगानुपात:** किसी आबादी में प्रति 1,000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या।

पिछले सुधार के कारण:

1. **पीएनडीटी अधिनियम, 1994:**
   - भ्रूण जांच रोकने के लिए सख्त क्रियान्वयन।
   - जागरूकता अभियान ने 2014-2019 के बीच सुधार में योगदान दिया।

हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और वर्तमान स्थिति:

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य:

- **2014 में लिंगानुपात:** हरियाणा में 871, जो चिंताजनक रूप से कम था।
- **सुधार की शुरुआत:**
  - व्यापक विरोध और सरकार व नागरिक समाज के प्रयासों ने इस मुद्दे को प्राथमिकता दी।
  - **'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान (2015):** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या रोकना और लड़कियों का कल्याण सुनिश्चित करना था।

हालिया गिरावट के कारण:

1. **कानून लागू करने में शिथिलता:** महिला भ्रूण हत्या रोकने वाले कानूनों का अनुपालन कमजोर हुआ है।
2. **मानसिकता में बदलाव की कमी:** समाज में अभी भी बेटियों को समान महत्व देने की सोच पूरी तरह विकसित नहीं हुई।
3. **'केवल लड़का' की अवधारणा:** घटती जमीनों के कारण कुछ परिवार अब केवल लड़के को प्राथमिकता देने लगे हैं।

भारत में लिंगानुपात: आँकड़े और विश्लेषण

जनगणना 2011

- **राष्ट्रीय स्तर पर लिंगानुपात:** 943 (ग्रामीण क्षेत्रों में 949 और शहरी क्षेत्रों में 929)।
- **आयु वर्ग अनुसार लिंगानुपात:**
  - 0-19 आयु वर्ग: 908
  - 60+ आयु वर्ग: 1033
- **आर्थिक रूप से सक्रिय आयु वर्ग (15-59 वर्ष):** 944
- **राज्यों में उच्चतम लिंगानुपात:**
  - केरल (1084)
  - पुडुचेरी (1037)
- **न्यूनतम लिंगानुपात:**
  - दमन और दीव (618)
  - दादरा और नगर हवेली (774)
  - चंडीगढ़ (818)

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2021 (NFHS-5)

- **जन्म के समय लिंगानुपात:** 929
- **देश की कुल जनसंख्या का लिंगानुपात:** 1020

मियावाकी तकनीक / Miyawaki Technique

संदर्भ:

महाकुंभ 2025 की तैयारी के तहत प्रयागराज में पिछले दो वर्षों में मियावाकी तकनीक का उपयोग करके लगभग 56,000 वर्ग मीटर घने जंगल तैयार किए गए हैं।

प्रयागराज में हरित क्षेत्र विकास:

महाकुंभ 2025 की तैयारी में हरित पहल

- **स्वच्छ वायु और स्वस्थ पर्यावरण:** महाकुंभ 2025 में आने वाले लाखों लोगों के लिए स्वच्छ हवा और हरित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से हरित क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं।

प्रमुख परियोजनाएँ:

1. **नैनी औद्योगिक क्षेत्र:**
   - 1.2 लाख पेड़ों का रोपण।
   - 63 विभिन्न प्रजातियों के पेड़ शामिल।
2. **बसवार क्षेत्र:**
   - क्षेत्र के सबसे बड़े कचरा डंप को साफ करके 27,000 पेड़ लगाए गए।
   - 27 प्रजातियों के पेड़ शामिल।

प्रभाव

- औद्योगिक कचरे से मुक्ति।
- धूल, गंदगी और दुर्गंध में कमी।
- शहरी हरित क्षेत्र बढ़ाने में योगदान।

यह पहल न केवल पर्यावरणीय सुधार में मदद कर रही है बल्कि शहर को अधिक आकर्षक और स्वस्थ बनाने का प्रयास है।

मियावाकी तकनीक के बारे में:

1. **परिचय:**
   - मियावाकी तकनीक, घने जंगल विकसित करने की एक अग्रणी विधि है।
   - इसे 1970 के दशक में जापानी वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी ने विकसित किया।
2. **मुख्य विशेषताएँ:**
   - इसे 'पॉट प्लांटेशन विधि' के रूप में भी जाना जाता है।
   - स्थानीय प्रजातियों को घनीकरण में रोपित कर प्राकृतिक वन पारिस्थितिकी तंत्र की नकल की जाती है।
   - यह तेजी से वृक्षों की वृद्धि और जैव विविधता को बढ़ावा देती है।
3. **उद्देश्य:** प्राकृतिक प्रक्रियाओं को पुनर्स्थापित करके बंजर और क्षतिग्रस्त पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करना।
   - शहरी क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने में सहायक।
4. **वैश्विक उपयोग:** यह तकनीक दुनिया भर में शहरी वनीकरण परियोजनाओं के लिए व्यापक रूप से अपनाई गई है

मियावाकी तकनीक की महत्वपूर्ण विशेषताएँ:

1. **घना रोपण (Dense Planting):**
   - वृक्षों और झाड़ियों को एक साथ निकटता से लगाया जाता है, जिससे वृद्धि 10 गुना तेज होती है, पारंपरिक विधियों के मुकाबले।
2. **स्थानीय प्रजातियाँ (Native Species):**
   - प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र की नकल करने के लिए स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ मुख्य रूप से रोपित की जाती हैं।
3. **जैव विविधता में सुधार (Improved Biodiversity):**
   - यह प्रजातियों की विविधता को बढ़ावा देती है, जिससे अधिक पौधे और वन्य जीवों को समर्थन मिलता है।
4. **कार्बन अवशोषण (Carbon Absorption):**
   - वृक्ष अधिक कार्बन अवशोषित करते हैं, जिससे शहरी प्रदूषण से मुकाबला करने में मदद मिलती है।

Miyawaki विधि के लाभ:

1. **तापमान संतुलन:** गर्मी में दिन-रात के तापमान को संतुलित करने में मदद करती है।
2. **प्रदूषण में कमी:** वायु और जल प्रदूषण कम करती है और जैव विविधता बढ़ाती है।
3. **तापमान में गिरावट:** यह विधि आसपास के तापमान को 4-7 डिग्री सेल्सियस तक कम कर सकती है।
4. **विशिष्ट उद्देश्य:** सुनामी सुरक्षा और खदान ढलानों को स्थिर करने में मदद करती है।
5. **शहरी परिवेश में:** शहरी क्षेत्रों में प्रदूषित भूमि को हरे क्षेत्रों में बदल देती है।

प्रवासी भारतीय दिवस / Pravasi Bhartiya Diwas

संदर्भ:

18वां प्रवासी भारतीय दिवस (PBD) 8 से 10 जनवरी 2025 के बीच भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित किया गया।

18वें प्रवासी भारतीय दिवस (PBD) सम्मेलन की मुख्य जानकारी:

1. **थीम:**
   - "विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान"
2. **आयोजन का स्थान और तिथियां:**
   - स्थान: भुवनेश्वर, ओडिशा
   - तिथियां: 8 से 10 जनवरी, 2025
3. **महत्वपूर्ण पहल और उद्घाटन:**
   - **प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस:**
     - भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए विशेष पर्यटक ट्रेन।
     - प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना के तहत चलाई जाएगी।
   - **प्रदर्शनियों का उद्घाटन:**
     - विश्वरूप राम – रामायण की पारंपरिक और आधुनिक कला का संयोजन।
     - प्रवासी भारतीयों का प्रौद्योगिकी और विकसित भारत में योगदान।
     - भारतीय प्रवासी का प्रसार और विकास - मांडवी (गुजरात) से मस्कट (ओमान) तक के प्रवास की दुर्लभ दस्तावेज़ी झलक।
     - ओडिशा की धरोहर और संस्कृति - राज्य की समृद्ध कला और शिल्प परंपरा का प्रदर्शन।
4. **युवाओं के लिए विशेष आयोजन:**
   - युवा प्रवासी भारतीय दिवस - ओडिशा के प्रवासी युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए एक मंच।
5. **सम्मान समारोह:**
   - 10 जनवरी 2025 को समापन सत्र के दौरान भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।
   - इस वर्ष 27 व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित किया जाएगा।
6. **आधिकारिक वेबसाइट:**
   - नवंबर 2024 में pbdindia.gov.in वेबसाइट लॉन्च की गई।

17वां प्रवासी भारतीय दिवस आयोजन:

- 17वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8-10 जनवरी, 2023 तक इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया।

प्रवासी भारतीय दिवस (PBD) के बारे में

परिचय:

- प्रवासी भारतीय दिवस विदेश मंत्रालय का प्रमुख आयोजन है।
- इसे भारत के विभिन्न क्षेत्रों की विविधता और प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है।
- 2015 से, यह एक द्विवार्षिक (biennale) कार्यक्रम बन गया है, जिसमें अंतराल के वर्षों में विषय-आधारित सम्मेलन आयोजित होते हैं।

इतिहास:

- यह दिवस *9 जनवरी* को मनाया जाता है।
- 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी, जिन्हें *महानतम प्रवासी* माना जाता है, दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे और भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया।

मुख्य उद्देश्य:

- भारतीय प्रवासियों के भारत के विकास में योगदान का सम्मान करना।
- विदेशों में भारत की बेहतर समझ और पहचान बनाना।
- भारत के उद्देश्यों का समर्थन और विदेशों में भारतीय समुदायों का कल्याण करना।
- प्रवासी भारतीयों को उनके पूर्वजों की भूमि के सरकार और लोगों के साथ जुड़ने का मंच प्रदान करना।

महत्व:

- यह सम्मेलन भारत और उसके विशाल प्रवासी समुदाय के बीच संबंध मजबूत करने में सहायक रहा है।
- विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव, ज्ञान और कौशल साझा करने का अवसर प्रदान करता है।

प्रवासी भारतीयों का विकसित भारत में योगदान:

1. **आर्थिक निवेश:** भारतीय प्रवासी विदेशी निवेश, स्टार्टअप्स, और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में धन का योगदान कर सकते हैं।
2. **प्रौद्योगिकी और ज्ञान का आदान-प्रदान:** उच्च शिक्षा, अनुसंधान, और आधुनिक तकनीकों में प्रवासियों के अनुभव से भारत को प्रौद्योगिकी और नवाचार में लाभ मिल सकता है।
3. **सांस्कृतिक प्रचार:** भारत की सांस्कृतिक धरोहर और विरासत को वैश्विक मंच पर प्रचारित कर पर्यटन और सॉफ्ट पावर को बढ़ावा दे सकते हैं।
4. **सामाजिक परियोजनाएं:** ग्रामीण विकास, शिक्षा, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में एनजीओ और सामाजिक अभियानों के माध्यम से योगदान दे सकते हैं।
5. **नीतिगत मार्गदर्शन:** विदेशों में उनके अनुभव से भारत के लिए नीतिगत सुधार और वैश्विक रणनीतियों में मार्गदर्शन दे सकते हैं।

भीड़भाड़ के कारण भगदड़ / Stampede Caused by Overcrowding

संदर्भ:

हाल ही वैकुंठ द्वार दर्शन के दौरान तिरुपति **वेंकटेश्वर मंदिर** में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गई।

भगदड़: परिभाषा और तथ्य:

परिभाषा:

भगदड़ एक "आकस्मिक और अनियंत्रित भीड़ की सामूहिक हलचल है," जो अक्सर घुटन (Traumatic asphyxia) या अन्य चोटों के कारण चोटों और मौतों का कारण बनती है।

वैकुंठ एकादशी के बारे में

1. **महत्व और पूजा:**
   - यह पर्व **भगवान विष्णु** को समर्पित है, जिन्हें तिरुमला मंदिर में **भगवान वेंकटेश्वर** के रूप में पूजा जाता है।
   - यह दिन **वैकुंठ द्वार** (स्वर्ग का द्वार) के खुलने का प्रतीक है, जो भगवान विष्णु भक्तों के लिए खोलते हैं।
2. **मुख्य अनुष्ठान:**
   - **भव्य शोभायात्रा:**
     - श्री मलयप्पा स्वामी, श्रीदेवी और भूदेवी के साथ, **सुनहरे रथ** में शोभायात्रा करते हैं।
     - मंदिर की गलियों में भक्त आशीर्वाद पाने के लिए इकट्ठा होते हैं।
3. **समय:**
   - यह **धनुर मास** (दिसंबर या जनवरी) में मनाया जाता है।
4. **उत्सव का विस्तार:**
   - पहले यह **एक दिन** का उत्सव था, लेकिन अब यह **10 दिनों** तक चलता है ताकि अधिक तीर्थयात्रियों को समायोजित किया जा सके।

तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर के बारे में:

1. **स्थान:** यह मंदिर **आंध्र प्रदेश** के तिरुमला हिल्स के **वेंकट पहाड़ी** पर स्थित है, जो **सप्तगिरि** (सात पहाड़ियां) में से एक है।
2. **समर्पण:** यह मंदिर **भगवान श्री वेंकटेश्वर** को समर्पित है, जिन्हें **भगवान विष्णु का अवतार** माना जाता है।
3. **प्रसिद्ध प्रसाद: तिरुपति लड्डू**, जो मंदिर में प्रसाद के रूप में दिया जाता है, को **भौगोलिक संकेत (GI) टैग** प्राप्त है।
4. **ऐतिहासिक महत्व:** इस मंदिर का समृद्ध इतिहास है, जिसमें **पल्लव, चोल, और विजयनगर** जैसे दक्षिण भारतीय राजवंशों का बड़ा योगदान रहा है।
   - इसे 12वीं सदी में **संत रामानुज** ने पुनर्जीवित किया था।

भारत में भगदड़ के आंकड़े:

- **धार्मिक आयोजनों का प्रभाव:**
  1954 से 2012 के बीच भारत में हुई भगदड़ की 79% घटनाएं धार्मिक आयोजनों में हुईं।
- **हाल की घटनाएं:**
  2024 में **हाथरस** और **कालकाजी मंदिर** में भगदड़ की घटनाएं इसका ताजा उदाहरण हैं।

मानव मनोविज्ञान और भगदड़: कारण और प्रभाव

1. घबराहट की प्रतिक्रिया (Panic Response):

- घबराहट भीड़ में तेजी से फैलती है।
- एक व्यक्ति का डर के कारण आगे बढ़ना दूसरों को बिना सोचे-समझे वैसा ही करने के लिए प्रेरित करता है।
- यह प्रतिक्रिया स्थिति को अनियंत्रित और खतरनाक बना देती है।

2. बाहरी कारण (External Triggers):

- तेज आवाजें, जैसे पटाखे या गड़गड़ाहट।
- अचानक हलचल या किसी खतरे का संकेत, जैसे आग या धुएं का दिखना।
- ऐसी घटनाएं भीड़ में अफवाह और अराजकता को बढ़ावा देती हैं।

3. मनोवैज्ञानिक कारक (Psychological Factors):

- **सामूहिक व्यवहार (Collective Behaviour):**
  - भीड़ के दबाव में व्यक्ति तर्कहीन रूप से कार्य करते हैं।
  - अपने हितों के विपरीत, वे भीड़ की गति में शामिल हो जाते हैं।
- **खतरे से बचने की प्रवृत्ति (Survival Instinct):**
  - व्यक्तिगत सुरक्षा की प्राथमिकता सहयोगी व्यवहार को हटा देती है।
  - धक्का-मुक्की और अव्यवस्था का माहौल पैदा होता है।

भीड़ प्रबंधन (Crowd Management)

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की दिशा-निर्देशों के प्रमुख बिंदु:

1. **भीड़ प्रबंधन रणनीतियाँ और व्यवस्था:**
   - **क्षमता योजना:** (इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास)
   - **भीड़ व्यवहार की समझ:** और समूह व्यवहार को नियंत्रित करने के लिए भीड़ नियंत्रण (सीमा निर्धारित करना)।
2. **जोखिम मूल्यांकन और न्यूनीकरण:** संभावित खतरों की पहचान करना और उनका समाधान करना।
3. **सूचना प्रबंधन:** आगंतुकों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ स्पष्ट संवाद।
4. **सुरक्षा और सुरक्षा:** सीसीटीवी निगरानी और आपातकालीन निकासी।
5. **चिकित्सा सेवाएँ:** सुविधाओं और प्रशिक्षित कर्मियों से लैस चिकित्सा सुविधाएँ।
6. **यातायात प्रबंधन:** कुशल परिवहन और स्पष्ट मार्ग चिह्न।

EmpowHER Biz – Sapno Ki Udaan कार्यक्रम / EmpowHER Biz – Sapno Ki Udaan Program

संदर्भ:

हाल ही में महिलाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **EmpowHER Biz – Sapno Ki Udaan** कार्यक्रम लॉन्च किया गया।

मुख्य बिंदु:

- **लॉन्च करने वाले**: इसे नीति आयोग के **Women Entrepreneurship Platform (WEP)** ने **New Shop** (भारत की सबसे बड़ी 24/7 सुविधा खुदरा श्रृंखला) के साथ साझेदारी में लॉन्च किया।
- **कार्यक्रम**: यह **Award to Reward (ATR)** प्रोग्राम के तहत शुरू किया गया है।
- **लॉन्च के लिए** – दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश और गुजरात की महिलाएँ।
- **लक्ष्य** – महिलाओं को संगठित खुदरा क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और संसाधनों से लैस करना।
    - मजबूत खुदरा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना जो महिला उद्यमियों को सशक्त बनाता है और क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देता है।
- **भूमिका** – यह कार्यक्रम मेंटरशिप और व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करेगा।
    - प्रशिक्षण में खुदरा प्रबंधन, डिजिटल उपकरण, वित्तीय साक्षरता और व्यापार विकास शामिल हैं।
    - यह वित्तीय समर्थन भी प्रदान करेगा, या न्यू शॉप फ्रेंचाइजिंग पारिस्थितिकी तंत्र में शामिल होने का अवसर देगा।
- **चयन** – 18-35 आयु वर्ग की 50 प्रतिभागियों का चयन ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से विशेष मानदंडों के आधार पर किया जाएगा।

महिला उद्यमिता प्लेटफार्म (WEP) के बारे में:

- **प्रारंभिक पहल:** यह NITI आयोग की एक पहल है, जिसका उद्देश्य भारत में उभरती हुई और स्थापित महिला उद्यमियों को बढ़ावा देना और समर्थन करना है।
- **लक्ष्य:** इसका मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को उनकी यात्रा के हर चरण में सहायता प्रदान करना, जैसे कि शुरुआत से लेकर विस्तार तक।
- **इतिहास:** 2018 में इसे NITI आयोग में एक एग्रीगेटर प्लेटफार्म के रूप में स्थापित किया गया था और 2022 में इसे सार्वजनिक-निजी साझेदारी में परिवर्तित किया गया।
- **मुख्य उद्देश्य:** यह उद्योग संबंधों को मजबूत करने और महिला उद्यमियों को मौजूदा कार्यक्रमों और सेवाओं के बारे में जागरूक करने के लिए काम करता है।
- **सेवाएँ:** WEP छह प्रमुख क्षेत्रों में सेवाएँ प्रदान करता है:
    1. **समुदाय और नेटवर्किंग**
    2. **फंडिंग और वित्तीय सहायता**
    3. **इन्क्यूबेशन और एक्सीलरेशन**
    4. **अनुपालन और कर सहायता**
    5. **उद्यमिता कौशल विकास**
    6. **मेंटोरशिप और विपणन सहायता**
- **2023 में शुरू हुआ 'Award to Reward' पहल:** यह WEP के तहत एक 'प्लग एंड प्ले' ढांचा प्रदान करता है, जो हितधारकों को प्रभावी कार्यक्रम विकसित करने का अवसर देता है।

NITI Aayog (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) के बारे में:

- **स्थापना:** NITI Aayog को 1 जनवरी 2015 को भारत सरकार के नीति-निर्माण में सुधार और योजना आयोग के स्थान पर स्थापित किया गया था।

मुख्य कार्य:

नीति निर्माण: भारत के आर्थिक विकास के लिए दीर्घकालिक, रणनीतिक और क्षेत्रीय नीतियाँ तैयार करना।

सहकारी संघवाद: केंद्रीय और राज्य सरकारों के बीच नीति कार्यान्वयन के लिए समन्वय स्थापित करना।

निगरानी और मूल्यांकन: योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी और परिणामों का मूल्यांकन करना।

थिंक टैंक: राष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए ज्ञान, नवाचार और विचार नेतृत्व प्रदान करना।

NITI Aayog संरचना:

- **अध्यक्ष:** भारत के प्रधानमंत्री।
- **उपाध्यक्ष:** प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- **Ex-Officio सदस्य:** केंद्रीय मंत्रिमंडल के चार सदस्य (PM द्वारा नियुक्त)।
- **गवर्निंग काउंसिल:** इसमें प्रधानमंत्री, उपाध्यक्ष, Ex-Officio सदस्य, पूर्णकालिक सदस्य, राज्य के मुख्यमंत्री और संघ शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल शामिल होते हैं।
- **विशेष आमंत्रित सदस्य:** विशेषज्ञ और क्षेत्रीय प्रशासक जैसे चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, और लक्षद्वीप के प्रशासक।
- **मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO):** प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त, जो NITI Aayog के दैनिक कार्यों का प्रबंधन करते हैं और सचिव के पद पर होते हैं।
- **पूर्णकालिक सदस्य:** ये सदस्य आर्थिक, विज्ञान और अन्य विशिष्ट क्षेत्रों के विशेषज्ञ होते हैं।
- **क्षेत्रीय परिषद:** यह परिषद क्षेत्रीय मुद्दों को सुलझाने के लिए मुख्यमंत्री और उपराज्यपालों के साथ बनाई जाती है और प्रधानमंत्री द्वारा या उनके नियुक्त प्रतिनिधि द्वारा अध्यक्षता की जाती है।

समर्थन सेवाएँ:

- **विशेषीकृत कोशिकाएँ:** जैसे सर्कुलर इकॉनमी सेल, संचार कोशिका, पुस्तकालय, उत्तर-पूर्व फोरम और स्वैच्छिक क्रियावली कोशिका, जो समावेशी विकास और प्रभावी शासन में योगदान करती हैं।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"
SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL
ANKIT AVASTHI
Video will be upload soon !
ANKIT AVASTHI

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Apni Pathshala

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
299/- YEAR
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RO/ARO
(TEST SERIES)
ONLY 299/- YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

BPSC
(TEST SERIES)
ONLY 299 YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

SSC (TEST SERIES)
ONLY 99/- YEAR
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RPF (TEST SERIES)
ONLY 99/- YEAR
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE
FOUNDATION BATCH
FOR ALL
POLITY
ECONOMICS
HISTORY
GEOGRAPHY
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Rs
4999/-
Apni Pathshala 7878158882
Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

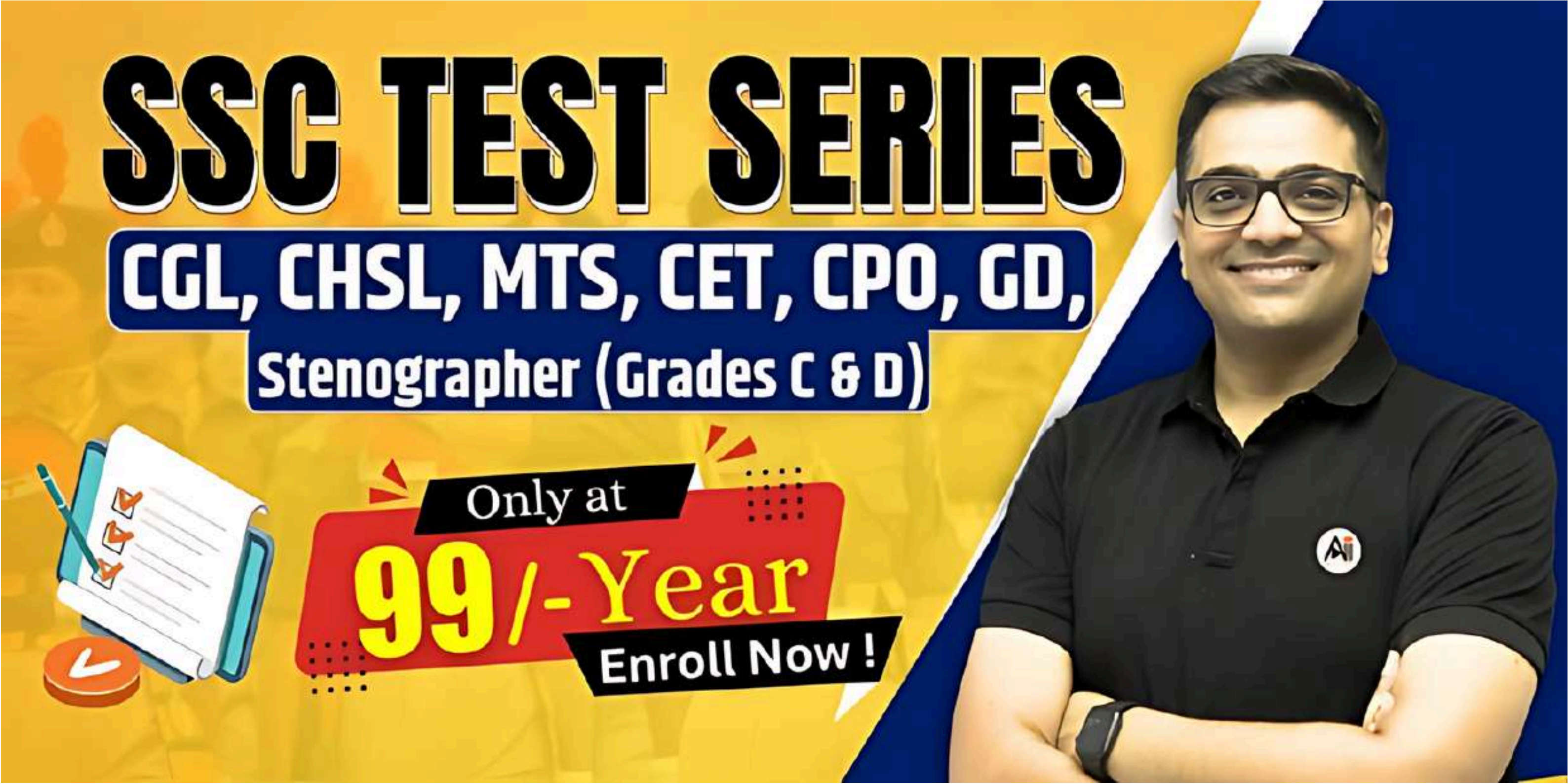
SSC TEST SERIES
CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)
Only at
99/-Year
Enroll Now !